No. of Printed Pages : 6

MEC–106

MASTER OF ARTS (ECONOMICS)

(MEC)

Term-End Examination

June, 2024

MEC-106 : PUBLIC ECONOMICS

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt questions from each Section as per instructions given.*

Section—A

Note : *Attempt any **two** questions from this Section in about **700** words each.* *2×20=40*

1. Define Public Economics. Critically examine how it is also called applied welfare economics.

2. How far the principles of fiscal federalism are observed in India ? Point out the problems in central and state financial relations in India.

3. Distinguish between fiscal policy and monetary policy. Explain the role of different instruments of fiscal policy in achieving the high growth.

4. What is debt redemption ? Explain the different methods adopted by governments to repay their debts.

Section—B

Note : *Attempt any* ***five*** *questions from this Section in about* ***400*** *words each.* 5×12=60

5. What do you mean by negative externalities ? Explain the various policy instruments to meet the challenges of negative externalities.

6. Write notes on the following :

   (a) Voting by foot

   (b) Progressive taxation

7. Discuss Tiebout model, explaining its assumptions.

8. What do you mean by Market Failure ? What measures would you suggest to correct market failure ?

9. State and prove the Arrow Impossibility Theorem.

10. Discuss the 'Ability to Pay' theory in taxation.

11. On the basis of Lorentz and concentration curves, when is tax considered regressive ?

12. Discuss the canons of public expenditure.

MEC–106

एम. ए. (अर्थशास्त्र) (एम. ई. सी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.ई.सी.-106 : लोक अर्थशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रत्येक भाग में से प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशानुसार दीजिए।*

भाग–क

नोट : इस भाग से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग **700** शब्दों में दीजिए। 2×20=40

1. लोकार्थ अर्थशास्त्र की परिभाषा दोजिए। यह भी समीक्षा कीजिए कि इसे व्यवहारिक क्षेम अर्थशास्त्र भी क्यों कहा जाता है।

2. भारत में किस सीमा तक राजकोषीय संघवाद के सिद्धान्तों का पालन किया जाता है ? भारत में केन्द्र-राज्य वित्तीय सम्बन्धों की समस्याएँ बताइए।

3. राजकोषीय एवं मौद्रिक नीति में भेद स्पष्ट कीजिए। उच्च संवृद्धि की प्राप्ति में सहायक राजकोषीय नीति के विभिन्न उपस्करों की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

4. ऋण विमोचन क्या होता है ? सरकारों द्वारा अपने ऋण चुकाने के लिए अपनाई गई विभिन्न विधियों को समझाइए।

भाग—ख

नोट : इस भाग से किन्हीं ***पाँच*** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग **400** शब्दों में दीजिए। $5 \times 12 = 60$

5. ऋणात्मक बाह्यताएँ क्या होती हैं ? इनकी चुनौती से निपटने के लिए उपयोगी विभिन्न नीतिगत उपस्करों की व्याख्या कीजिए।

6. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिये :

   (क) कदमों द्वारा मतदान

   (ख) प्रगतिशील कराधान

7. टाईबाउट प्रतिमान पर चर्चा कीजिए और इसकी मान्यताएँ भी समझाइए।

8. बाजार की विफलता से आपका क्या अभिप्राय है ? आप बाजार विफलता का निदान करने के लिए क्या उपाय सुझाएँगे ?

9. ऐरो के असंभाव्यता प्रमेय का निरूपण कर उसे सिद्ध कीजिए।

10. कराधान के 'कर-दान क्षमता' सिद्धान्त पर चर्चा कीजिए।

11. लॉरेंज एवं संकेंद्रण वक्रों के आधार पर किसी कर को किस दशा में प्रतिगामी कहा जाता है ?

12. लोक व्यय के सिद्धान्तों पर चर्चा कीजिए।